हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन (2024-25)

कक्षा- 12 वीं विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला कोड: 652

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी। प्रयोगात्मक (क्रियात्मक) परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -

   i) 20 अंको की प्रायोगिक (क्रियात्मक) पुस्तिका।

   ii) तबला या पखावज पर एक ताल, झप ताल, धमार या आड़ा चारताल (with simple elaborations) बजाने की क्षमता (5 अंक)

   iii) एक ताल व झप ताल में एक एडवांस कायदा या रेला (चार पलटों और तिहाई सहित) एक साधारण टुकड़ा, एक साधारण चक्करदार टुकड़ा या परण, एक दमदार तिहाई और एक परण (5 अंक)

   iv) पाठ्यक्रम में दी गई तालों (तीन ताल या आडी ताल, रूपक या तीव्रा ताल)
   में से किसी एक ताल में (विद्यार्थी की इच्छा अनुसार) एकल प्रदर्शन के लिए (5 अंक)।

   v) किसी भी लोक गीत अथवा भजन के साथ संगत करने के लिए (5 अंक)।

   vi) पाठ्यक्रम में दी गई तालों व रचना की ठाह,2 गुण और चौगुन लय में हाथ पर बजाकर उच्चारण करने की क्षमता(5 अंक)।

vii) ताल दादरा अथवा कहरवा में सिंपल लग्गी अथवा पखावज पर थाप के (5 अंक)।

4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:

i) 04 अंकों के लिए - दो SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।

ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

iii) दो अकों के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अकों का भारांक होगा।

iv) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।

v) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

vi) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा- 12 वीं   विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला   कोड: 652

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स	04
2	लयकारियां तथा इसके रूप (प्रकार)	03
3	तबला अथवा पखावज(इतिहास व घराने)	03
4	जातियों का वर्गीकरण	02
5	ताल अध्याय	06
6	भारतीय संगीत का इतिहास	12
7	जीवन परिचय तथा उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान	
	कुल	30
	प्रायोगिक परीक्षा	50
	आंतरिक मूल्यांकन	20
	कुल योग	**100**

अध्याय 1: परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स

- उठान
- पेशकार
- चक्करदार
- वर्ण
- सादरा
- अलंकार
- जरब
- काल
- क्रिया
- अंग
- रेला

अध्याय 2: लयकारियां और इसके रूप (प्रकार)

अध्याय 3: तबला या पखावज - इतिहास व घराने

- तबला या पखावज का संक्षिप्त इतिहास और उद्भव
- तबला मिलाने की विधि
- तबला या पखावज के घरानों का संक्षिप्त वर्णन

अध्याय 4: जाति वर्गीकरण

- ताल से संबंधित जातियां

अध्याय 5: ताल अध्याय

- तालों का तुलनात्मक अध्ययन
    - चार ताल- एक ताल
    - झप ताल- सूलताल
    - तीन ताल- तिलवाड़ा ताल
- चार ताल, धमार,झपताल तथा एक ताल
    - उपरोक्त तालों का शास्त्रीय परिचय
    - 1 गुण तथा 2 गुण
    - दिए गए बोल समूह, ठेके अथवा किसी रचना से ताल को पहचानना
    - विवेचना के साथ किसी रचना व ताल को लिपिबद्ध करना

अध्याय 6: भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास

- प्राचीन काल से मध्यकाल तक
- मध्य काल से आधुनिक काल तक
- अवनद्ध वाद्यों के संदर्भ में मध्यकाल व आधुनिक काल का इतिहास

अध्याय 7: जीवन परिचय व उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान

- पंडित किशन महाराज
- उस्ताद जाकिर हुसैन

- निम्नलिखित का जीवन परिचय तथा वादन का ढंग,विशेषताएं
    - राजा छत्रपति सिंह
    - बिरजू महाराज

क्रियात्मक ज्ञान:

1. तबला या पखावज पर एक ताल, झप ताल, धमार या आड़ा चारताल बजाने की क्षमता।
2. एक ताल व झपताल में एक एडवांस कायदा या रेला (चार पलटों और तिहाई सहित) एक साधारण टुकड़ा, एक साधारण चक्करदार टुकड़ा या परण,एक दमदार तिहाई और एक परण।
3. पाठ्यक्रम में दी गई तालों (तीन ताल या आडी ताल, रूपक या तीव्रा ताल) में से किसी एक ताल में (विद्यार्थी की इच्छा अनुसार) एकल प्रदर्शन।
4. किसी भी लोक गीत अथवा भजन के साथ संगत ।
5. पाठ्यक्रम में दी गई तालों व रचना की ठाह,2 गुण और चौगुन लय में हाथ पर बजाकर उच्चारण करने की क्षमता।

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 12 वीं **विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला** **कोड: 652**

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	संगीत संबंधी परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स लयकारियां तथा इसके रूप (प्रकार)	6	6	8
मई	तबला या पखावज (इतिहास व घराने) चारताल, धमार, झपताल व एकताल का शास्त्रीय परिचय,1 गुण तथा 2 गुण एकल वादन का क्रियात्मक अभ्यास	8	6	8
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	दोहराई तबले पर एकताल, झपताल, धमार या आड़ा चार ताल की 1 गुण 2 गुण तथा चौगुन का अभ्यास ताल से संबंधित जातियां	6	6	8

अगस्त	तालों का तुलनात्मक अध्ययन तालों की पहचान विवेचना सहित रचनाओं को तालों में लिपिबद्ध करना (क्रियात्मक ज्ञान सहित)	8	6	8
सितंबर	दोहराई अर्ध वार्षिक परीक्षा		12	12
अक्तूबर	भारतीय संगीत का इतिहास कायदे,रेला,टुकड़े,तिहाई,परणआदि का ज्ञान (क्रियात्मक ज्ञान सहित)	8	8	8
नवंबर	जीवन परिचय व उनका संगीत में योगदान ● पंडित किशन महाराज ● उस्ताद जाकिर हुसैन ● निम्नलिखित का जीवन परिचय तथा वादन का ढंग,विशेषताएं ○ राजा छत्रपति सिंह ○ बिरजू महाराज	8	6	8
दिसंबर	भजन व लोकगीतों के साथ तबले की संगत का नियमित अभ्यास कहरवा व दादरा में लग्गी अथवा पखावज पर थाप	8	6	8

जनवरी	तबले पर तालों का नियमित अभ्यास भिन्न भिन्न रचनाओं को तालबद्ध करने का अभ्यास	6	6	8
फ़रवरी	दोहराई			
मार्च	वार्षिक परीक्षा			

नोट:

- **विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।**

प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा- 12 वीं **विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला** **कोड: 652**

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**01**	**08**	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न । 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न । 02 एक शब्दीय प्रश्न ।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**02**	**04**	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**03**	**03**	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	**05**	**01**	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
	कुल	**16**		**30**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- **12th** Subject: **Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)**

Code: **652**

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
   i) Practical Booklet of 20 marks.
   ii) Ability to play Ek Taal, Jhap Taal, Dhamar or Aada Chartal (with simple elaborations) on Tabla or Pakhawaj (5 marks)
   iii) One Advance Qaida or rela (with four paltas and thihai) in Ek Taal and jhapa taal One Tukra, one simple chakardar Tukra or Paran, one damdar tihai and one Paran (5 marks)
   iv) One solo performance in Taals given in the syllabus (Teen Taal or Aadi Taal, Rupak or Tivra Taal) in any one of the Taalas (choice of the student) 05 marks.
   v) Accompaning folk song or Bhajan 05 marks.
   vi) Ability to play one guna , two guna and chougun with recitation on hands 05 marks.
   vii) Simmple laggi or Pakhawaj thaap in Dadra taal or Kehrva Taal 05 marks.

4. For Internal Assessment:

   There will be Periodic Assessment that would include:

   i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 04 marks towards the final Internal Assessment.
   ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iii) For 2 marks- One Pre-Board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).

v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.

vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks
Above 80% to 85% - 02 marks
Above 85% to 90% - 03 marks
Above 90% to 95% - 04 marks
Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2024-25)

Class- **12**th   Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: **652**

Sr. No.	**Chapter**	**Marks**
1	Definitions and Brief Notes	04
2	Rhythm and its forms (types)	03
3	Tabla or Pakhawaj (History and Gharanas)	03
4	Classification of Jaties (different pattern)	02
5	Study of Talas	06
6	History of Indian Music	12
7	Life introductions and their contributions in the field of music	
	Total	30
	Practical Examination	50
	Internal Assessment	20
	Grand Total	**100**

Chapter 1: Definitions and Brief Notes

- Uthan
- Peshkara
- Chakkardar
- Varana
- Sadhra
- Alankar
- Zarab
- kala
- Kriya
- Anga
- Rela

Chapter 2: Laikaris and its Forms (Types)

Chapter 3: Tabla or Pakhawaj - History and Gharanas

- Brief History and Origin of Tabla or Pakhawaj
- Tunning method of Tabla or Pakhawaj
- Brief description of Gharanas of Tabla or Pakhawaj

Chapter 4: Classification of Jaati (with different patterns)

- Jaaties related to Tal

Chapter 5: Study of Talas

- Comparative study of Talas

o Char taal - Ek Taal

o Jhap Taal – Sool Taal

o Teen Tal - Tilwara Tal

• Chaar Taal, Dhamar Taal, Jhap Taal and Ek Taal

o Classical introduction of the above taals

o Single and double thekas of above talas.

o Identifying rhythms from a given set of lyrics, chords or a composition

o Writing down a composition and rhythm with interpretation

Chapter 6: Brief History of Indian Music

• From ancient times to medieval times

• From the Middle Ages to the Modern Period

• History of medieval and modern times in the context of Avanada vadayas

Chapter 7: Introduction to life and their contributions in the field of music

• Pandit Kishan Maharaj

• Ustad Zakir Hussain

• Life introduction and style of playing, characteristics of the following

o Raja Chhatrapati Singh

o Birju Maharaj

Practical

1. Ability to play ek Taal, Jhap Taal, Dhamar or Aada Chartal (with simple elaborations) on Tabla or Pakhawaj.

2. An advanced Qaida or rela (with four paltas and thihai) in Ek Taal jhapataal, a simple Tukra , a simple Chakardar tukra or paran, a damdar Tihai and One paran.

3. Taals given in the syllabus (Teen Taal or Aadi Taal, Rupak or Tivra Taal) Solo performance in any one of the talas (as desired by the student).

4. Compatible with any folk song or bhajan.

5. Study of taals and composition given in the syllabus, 2 qualities and ability to play ek gun, dugun, chougun on hands with recitation.

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- **12**th Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: **652**

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Music Definitions and Short notes Rhythms and its forms (types)	6	6	8
May	Tabla or Pakhawaj (History and Gharana) Classical introduction of Chartal, Dhamar, Jhaptal and Ektal, 1st Guna and 2nd Guna solo practice on Tabla	8	6	8
June	Summer Vacation (Assign activities)			
July	Revision Practice of Ek tal, Jhapatal, Dhamar or Aada chartaal on Tabla with 1 Guna 2 Guna and Chaugun. Classification of Jaaties of Taalas	6	6	8

August	comparative study of Taalas identification of Taalas Writing compositions in Taals including interpretation (with functional knowledge)	8	6	8
September	Revision Half Yearly Examination		12	12
October	History of Indian Music. Knowledge of Kayda, Rela, Tukra, Thihai, paran etc. (including functional knowledge)	8	8	8
November	Life introduction and their contribution to music Pandit Kishan Maharaj • Ustad Zakir Hussain • Life introduction and style of playing, characteristics of the following o Raja Chhatrapati Singh o Birju Maharaj	8	6	8
December	Regular practice of tabla accompaniment with bhajans and folk songs. one Laggi or Pakhawaj thaap In Kaharwa and Dadra Taala,	8	6	8

January	Regular practice of talas on tabla Practice of various composition with written practice	6	6	8
February	Revision			
March	Annual Examination			

<u>Note:</u>

- **Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.**

Question Paper Design (2024-25)

Class- **12th** **Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)**

Code: 652 **Time: 2½ Hours**

Type of Question	**Marks**	**Number**	**Description**	**Total Marks**
Objective type questions	**01**	**08**	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One-word questions	**08**
Very short answer type questions	**02**	**04**	Internal choice will be given in all questions.	**08**
Short answer questions	**03**	**03**	Internal choice will be given in all questions.	**09**
Long answerable Question	**05**	**01**	Question will be given with internal choice	**05**
	Total	**16**		**30**